

## आरबीआई ने क्रपिटोकॉरेंसी पर प्रतबंध लगाने की मांग की

### प्रलिस के लिये:

क्रपिटोकॉरेंसी, बटिकॉइन, ब्लॉकचेन

### मेन्स के लिये:

क्रपिटोकॉरेंसी और संबंधित मुद्दे, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

### चर्चा में क्यों?

**भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** ने देश के मौद्रिक और राजकोषीय स्वास्थ्य के लिये 'अस्थिर प्रभावों' का हवाला देते हुए **क्रपिटोकॉरेंसी** पर प्रतबंध लगाने की सफ़ारिश की है।

- चीन ने सभी क्रपिटोकॉरेंसी लेन-देन को प्रभावी ढंग से पूर्ण प्रतबंध लगाकर अवैध घोषित कर दिया है, जबकि **अल सलवाडोर ने बटिकॉइन को कानूनी नविदा के रूप में अनुमति** दी है।

### क्रपिटो की वर्तमान स्थिति:

- फलिहाल भारत में क्रपिटोकॉरेंसी को वनियमिति करने वाला कोई केंद्रीय प्राधिकरण नहीं है। भारत में क्रपिटोकॉरेंसी रखना अभी भी अवैध नहीं है। वर्ष 2020 में सर्वोच्च न्यायालय ने भारत में क्रपिटोकॉरेंसी के व्यापार पर प्रतबंध लगाने का सख्त आदेश दिया था, जो भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा लगाया गया था।
- सेंट्रल बैंक वर्ष 2013 से ही लोगों को वर्चुअल करेंसी के इस्तेमाल के प्रति आगाह कर रहा है।
- अप्रैल 2018 में आरबीआई ने वनियमिति संस्थाओं को आभासी मुद्राओं में काम करने या किसी व्यक्ति या संस्था को उनके साथ व्यवहार करने या उन्हें नपिटाने में सुविधा प्रदान करने के लिये सेवाएँ प्रदान करने से प्रतबंधित कर दिया था। मार्च 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने नरिदेश को रद्द कर दिया था।
- इसके बाद मई 2021 में केंद्रीय बैंक ने अपनी वनियमिति संस्थाओं को सलाह दी कि वे **अपने ग्राहक को जानें (KYC)**, **एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग**, **धनशोधन नविवरण अधिनियम, 2002** आदि के तहत आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के मानक दायित्व और वदेशी प्रेषण के वनियमन के लिये **वदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)** मानदंडों को नरितरति करने वाले नयिमों के अनुरूप, ऐसी वनियमन प्रक्रियाओं को ग्राहकों के लिये जारी रखें।
- केंद्रीय बजट 2022-2023** में आने वाले वित्तीय वर्ष में एक **डिजिटल मुद्रा** पेश करने का भी प्रस्ताव है।

### आरबीआई की चिंताएँ:

- नॉन-फिएट मुद्रा:**
  - क्रपिटोकॉरेंसी एक मुद्रा नहीं है क्योंकि हर आधुनिक मुद्रा को **केंद्रीय बैंक या सरकार द्वारा जारी करने की आवश्यकता** होती है।
- काल्पनिक और अस्थिर:**
  - फिएट मुद्राओं** का मूल्य मौद्रिक नीति और कानूनी नविदा के रूप में उनकी स्थिति से संबंधित होता है, हालाँकि **क्रपिटोकॉरेंसी का मूल्य पूरी तरह से उच्च रटिरन के अनुमानों और अपेक्षाओं पर नरिभर करता है, जो स्थिर नहीं होता है**, इसलिये किसी देश की स्थिति पर इसका मौद्रिक एवं राजकोषीय रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

### क्रपिटोकॉरेंसी:

- परचिय:**
  - क्रपिटोकॉरेंसी**, जिसे कभी-कभी क्रपिटो-मुद्रा या क्रपिटो कहा जाता है, मुद्रा का एक ऐसा रूप है जो डिजिटल या वस्तुतः मौजूद है और लेन-

देन को सुरक्षित करने के लिये क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करती है।

- क्रिप्टोकॉर्सेसी में मुद्रा जारी करने या वनियमिति करने वाला **कोई केंद्रीय प्राधिकरण नहीं है**। यह लेन-देन को रिकॉर्ड करने और नई इकाइयों को जारी करने के लिये वकिंदरीकृत प्रणाली का उपयोग करती है।

- इसका संचालन एक वकिंदरीकृत पीयर-टू-पीयर नेटवर्क द्वारा होता है जसिसे **ब्लॉकचेन** कहा जाता है।

#### ■ लाभ:

- तीव्र एवं कफायती लेन-देन:** क्रिप्टोकॉर्सेसी में लेन-देन के लिये बैंक या कसिी अन्य मध्यस्थ की भूमिका की आवश्यकता नहीं होती है, अतः इस माध्यम से **बहुत ही कम खर्च में लेन-देन कथिया जा सकता है**।
- नविश गंतव्य:** क्रिप्टोकॉर्सेसी की आपूर्त सीमति है। इसके अलावा पछिले कुछ वर्षों में अन्य वतितीय साधनों की तुलना में **क्रिप्टोकॉर्सेसी की कीमत तेज़ी से बढ़ी है**।
  - इसके कारण **क्रिप्टोकॉर्सेसी एक पसंदीदा नविश गंतव्य बन सकता है**।
- मुद्रास्फीति रोधी मुद्रा (Anti-Inflationary Currency):** क्रिप्टोकॉर्सेसी की उच्च मांग के कारण इसकी कीमतें काफी हद तक बढ़ती प्रक्षेपवकर पर बनी हुई हैं। इस परदृश्य में **लोग इसे खर्च करने की तुलना में अधिक क्रिप्टोकॉर्सेसी रखते हैं**।
  - इससे मुद्रा पर अपस्फीतिकारी प्रभाव पड़ेगा।

## क्रिप्टोकॉर्सेसी संबंधी चुनौतियाँ:

- वजिजापन की अत्यधिकता:** क्रिप्टो बाज़ार को त्वरति लाभ कमाने के तरीके के रूप में देखा जाता है। इसके कारण लोगों को इस बाज़ार में सट्टा लगाने हेतु लुभाने के लिये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के वजिजापनों की लगातार वृद्धि हो रही है।
  - हालाँकि चिंता का कारण यह है कि **"अत-वादा" और "गैर-पारदर्शी वजिजापन" के माध्यम से युवाओं को गुमराह करने के प्रयास कथिया जा रहा है**।
- प्रतकूल उपयोगिता:** अनयिमति क्रिप्टो बाज़ार मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक के वतितपोषण का साधन बन सकते हैं।
- क्रिप्टोकॉर्सेसी की अस्थिरता:** बटिकॉइन 40,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 65,000 अमेरिकी डॉलर (जनवरी से अप्रैल 2021 के बीच) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया।
  - यह मई 2021 में गरि गया और पूरे जून माह में 30,000 अमेरिकी डॉलर से नीचे रहा।
- मैक्रोइकोनॉमिक और वतितीय स्थिरता हेतु जोखमि:** इस अनयिमति परसिंपत्त वर्ग में भारतीय खुदरा नविशकों के नविश जोखमि की सीमा **मैक्रोइकोनॉमिक और वतितीय स्थिरता के लिये जोखमि है**।
  - क्रिप्टो एक्सचेंजों के एक समूह के अनुसार, करोड़ों भारतीयों ने क्रिप्टो संपत्ति में 6,00,000 करोड़ रुपए से अधिक का नविश कथिया है।
- शेयर बाज़ार के मुददे:** **भारतीय प्रतभित और वनियमि बोरड (SEBI)** ने इस मुददे को हरी झंडी दिखाई है कि क्रिप्टो मुद्राओं के **"समाशोधन और नपिटान"** पर इसका कोई नयित्रण नहीं है और यह प्रतपिक्ष गारंटी की पेशकश नहीं कर सकता जैसा कि शेयरों के लिये कथिया जा रहा है।
  - इसके अलावा क्या क्रिप्टोकॉर्सेसी एक मुद्रा, वसतु या सुरक्षा है, इसे परभाषति नहीं कथिया गया है।

## आगे की राह

- भारत ने अभी तक **आधिकारिक डिजिटल मुद्रा वधियक, 2021** के लिये क्रिप्टोकॉर्सेसी और वनियमन को पेश नहीं कथिया है, जो **आधिकारिक डिजिटल मुद्रा** का शुरुआत के लिये नयिमक ढाँचा तैयार करेगा
  - इस प्रकार बलि को पारति करने में तेज़ी लाने और **क्रिप्टोकॉर्सेसी से नपिटने के लिये एक नयिमक ढाँचा तैयार करने की आवश्यकता है**।
- गंभीर समस्याओं को रोकने एवं यह सुनिश्चित करने के लिये कि क्रिप्टोकॉर्सेसी का दुरुपयोग न हो, साथ ही नविशकों को बाज़ार की अत्यधिक अस्थिरता और संभावति घोटालों से बचाने के लिये इसका वनियमन आवश्यक है।
- क्रिप्टोकॉर्सेसी** को वनियमिति या प्रतबिधति करने वाला कानून केवल तभी प्रभावी हो सकता है जब कसिी प्रकार का अंतर्राष्ट्रीय समझौता हो।
  - क्रिप्टोकॉर्सेसी के असीमति उपयोग को देखते हुए इसके लिये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।
- इसलिये वनियमन या प्रतबिध के लिये कोई भी कानून इसके जोखमि और लाभों के मूल्यांकन एवं सामान्य वर्गीकरण तथा मानकों के विकास पर महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बाद ही प्रभावी हो सकता है।

## स्रोत: द हट्टि